antim yatra:arunjaity.qxd 9/26/2010 7:39 PM Page 52

झंडेवालाः नानाजी को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए संघ के सह सरकार्यवाह सुरेश सोनी

झंडेवालाः नानाजी को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए संघ के अ.भा. प्रचारक प्रमुख मदनदास देवी

झंडेवालाः नानाजी को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता डा. मुरली मनोहर जोशी

के लिए लोगों की भीड़ टूट पड़ी जिसको आखिरी प्रणाम की चाह थी। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, सांसद श्री अनिल माधव दवे और दीनदयाल शोध संस्थान के अध्यक्ष श्री वीरेंद्रजीत सिंह उनके पार्थिव शरीर के साथ दिल्ली आए। दिल्ली हवाई अड्डे पर भी चारों तरफ नानाजी के अंतिम दर्शन करने के लिए लोगों का हुजूम था। इनमें लोकसभा उपाध्यक्ष श्री करिया मुंडा, लोकसभा में विपक्ष की नेता श्रीमती सुषमा स्वराज, राज्यसभा में विपक्ष नेता श्री अरुण जेतली, भाजपा अध्यक्ष श्री नितिन गडकरी, भाजपा के पूर्व अध्यक्ष राजनाथ सिंह सरीखे तमाम नेता और कार्यकर्ता शामिल थे।

हवाई अड्डे से नानाजी की देह को दीनदयाल शोध संस्थान के मुख्यालय लाया गया जिसने नानाजी का तेज और उनकी तपस्या देखी थी। यह भवन भी नानाजी की वाणी और शरीर से वंचित हो जाने के कारण उदास दिखाई पड़ रहा था। लेकिन साथ ही यह उसे यह गर्व भी था कि नानाजी के आभामंडल के कारण कितनी ही हस्तियां बार-बार उसकी चौखट से पार होकर नानाजी के सामने नतमस्तक हुई थी। इस भवन से अंदर जब नानाजी की देह ने प्रवेश किया था, सामने थे पंडित

झंडेवालाः नानाजी को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए विपक्ष नेता अशोक सिंहल और भाजपा नेता सुषमा स्वराज

झंडेवालाः नानाजी को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए भाजपा नेता अरुण जेटली

झंडेवालाः नानाजी को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए गुजरात के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी

दीनदयाल उपाध्याय जिनको नानाजी ने अपना सारा जीवन ही सौंप दिया था।

दीनदयाल जी का एकात्म मानवदर्शन पर अमल करना ही नानाजी का ध्येय बना। इसलिए जब इस संस्थान में नानाजी का दीनदयाल जी से सामना हुआ तो विशिष्ट जनों के सामने दोनों महापुरुषों का जीवन एक साथ घूम गया। ऐसा लगता था कि दीनदयाल जी भी नानाजी की प्रतीक्षा कर रहे हों। लेकिन शांत नानाजी ने उनसे कुछ नहीं बोला और उनके समक्ष अपनी मौन उपस्थिति दर्ज कराकर झंडेवालान चले गए जो उनकी अंतिम बार प्रतीक्षा कर रहा था। लेकिन विदाई लेने से पहले नानाजी ने संस्थान को आखिरी प्रणाम किया। इस भवन के मुख्य द्वार पर मनी प्लांट के काफी पौधे हैं। उनकी पत्तियों को नानाजी ने कितनी बार अपनी स्नेहिल हाथ से स्पर्श किया था। उनसे भी विदाई ली और साथ ही उन सब चीजों से भी जो उनके उपयोग में आई थी।

इस भावुक अवसर पर पूर्व राष्ट्रपति डा. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम आजाद और नानाजी के परिवारजनों तथा डीआरआई परिवार ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। तत्पश्चात उनकी देह को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के झंडेवालान स्थित कार्यालय केशव कुंज ले